

लोकतंत्र बचाओ 2024

अबुआ झारखंड, अबुआ राज

यह अभियान राज्य के कई जन संगठनों व सामाजिक कार्यकर्ताओं का 2024 में लोकतंत्र व संविधान को बचाने का साझा प्रयास है।

दिनांक - 6 मई 2024

प्रेषित
श्री के रवि कुमार
मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी
झारखंड, रांची

महाशय

3-4 मई को झारखंड में नफरती भाषण देने एवं आचार संहिता व लोक प्रतिनिधित्व कानून के उल्लंघन के लिए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के विरुद्ध कार्यवाही की मांग

हम आपका ध्यान 3-4 मई 2024 को चाईबासा, गुमला और पलामू में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने चुनावी भाषण में मुसलमानों के विरुद्ध नफरती भाषण, झूठी बातों का प्रचार और धार्मिक धुवीकरण कर वोट मांगने पर केन्द्रित करना चाहेंगे।

प्रधान मंत्री मोदी अपने चुनावी भाषण में विभिन्न झूठी बातों के आधार पर मुसलमानों के विरुद्ध अन्य समुदायों (खास कर के, आदिवासी, दलित और पिछड़ों), में धार्मिक द्वेष पैदा करने की कोशिश किये और इसके आधार पर अपनी पार्टी के लिए वोट मांगे। उन्होंने तीनों सभाओं में झूठे दावों के आधार पर मुसलमानों को अन्य समुदायों का दुश्मन दिखाने की कोशिश की। उदहारण के लिए, उन्होंने कहा कि कांग्रेस आदिवासियों की संपत्ति छीनकर मुसलमानों को दे देगी; कांग्रेस आदिवासी, दलित, पिछड़ों के आरक्षण पर डाका डाल के मुसलमानों को दे देगी आदि. साथ ही, उन्होंने लव जिहाद, लैंड जिहाद व वोट जिहाद जैसे तथ्यहीन शब्दों का प्रयोग करके धार्मिक धुवीकरण की कोशिश की. गौर करें, संसद में केंद्र सरकार ने जवाब दिया है कि कानून में न ऐसे शब्द हैं और न ही ऐसे कोई मामले है. मंदिर बनवाने के नाम पर भी वोट माँगा गया. तीनों भाषण इस youtube चैनल - <https://www.youtube.com/@NarendraModi> - पर उपलब्ध है एवं उक्त भाग का हिंदी ट्रांसक्रिप्शन संलग्न है.

प्रधान मंत्री मोदी का नफरती भाषण न केवल तथ्यविहीन है बल्कि धर्म और समुदाय के नाम पर नफरत और द्वेष फैलाता है. इस भाषण से धार्मिक धुवीकरण कर भाजपा के लिए वोट माँगा गया है. यह स्पष्ट रूप से आदर्श आचार संहिता व लोक प्रतिनिधित्व कानून का खुला उल्लंघन है एवं IPC की धारा 153 (A), 295 (A) of 505 (1) (b) व (c) 505 (2) के तहत नफरती भाषण है. यह भी ध्यान देने की बात है कि देश के प्रधान मंत्री के ऐसे तथ्यविहीन और नफरती भाषण अन्य नेताओं को भी चुनाव के दौरान यह करने को प्रेरित कर सकते है.

अतः हम आपसे मांग करते हैं कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 3-4 मई को चाईबासा, गुमला और पलामू में चुनावी भाषण में धर्म व समुदाय के नाम पर साम्प्रदायिकता व नफरत फैलाने एवं धार्मिक धुवीकरण कर वोट मांगने के लिए उनके विरुद्ध न्यायसंगत कार्यवाही करें. आदर्श आचार संहिता व लोक प्रतिनिधित्व कानून के उल्लंघन के लिए उनके विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाए. सर्वोच्च न्यायालय ने कई बार स्पष्ट आदेश दिया है कि नफरती भाषण के लिए वक्ता के विरुद्ध suo motu प्राथमिकी दर्ज होनी चाहिए.

हम यह भी मांग करते हैं कि झारखंड में प्रधान मंत्री मोदी के चुनावी भाषणों पर रोक लगे व चुनाव में सांप्रदायिक भाषणों को रोकने के लिए सख्त कार्यवाही की जाए. यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी नेता, खासकर के भाजपा के, अपने चुनावी भाषण में इस प्रकार नफरत व साम्प्रदायिकता न फैलाये व धार्मिक धुवीकरण कर वोट न मांगे.

धन्यवाद

अफ़जल अनीस, अंबिका यादव, अलोका कुजूर, भरत भूषण चौधरी, भाषण मानमी, दिनेश मुर्मू, एलिना होरो, ज्योति कुजूर, कुमार चन्द्र मार्ली, किरण, लीना, लालमोहन सिंह खेरवार, मेरी निशा हंसदा, मंधन, प्रवीर पीटर, पकू टुडु, रमेश जेराई, रेशमी देवी, रोज़ खाखा, सिराज दत्ता, टॉम कावला

अनुलग्नक - 1) नफरती व सांप्रदायिक भाषण का हिंदी ट्रांसक्रिप्शन, 2) आदर्श आचार संहिता व लोक प्रतिनिधित्व कानून के धारा जिनका उल्लंघन हुआ है, 3) सर्वोच्च न्यायालय का नफरती भाषण पर "ASHWINI KUMAR UPADHYAY versus UNION OF INDIA & ORS." (Writ Petition (Civil) No. 943/2021) मामले में आदेश

Jaspre Singh Datta¹ Anil Hans Tom Kavale

लोकतंत्र बचाओ 2024

अबुआ झारखंड, अबुआ राज

यह अभियान राज्य के कई जन संगठनों व सामाजिक कार्यकर्ताओं का 2024 में लोकतंत्र व संविधान को बचाने का साझा प्रयास है।

अनुलग्नक 1 - नफरती व सांप्रदायिक भाषण का हिंदी ट्रांसक्रिप्शन

3 मई - चाईबासा में भाषण.

भाषण का youtube लिंक - <https://www.youtube.com/watch?v=CqaWTLm7ARk&t=15s>

26:40 अगर दस एकड़ भूमि है, पाँच एकड़ भूमि काँग्रेस की सरकार को दे दो। अगर एक tractor है तो तुम tractor नहीं रख सकते हो। किसी के साथ भागीदारी करनी पड़ेगी। आपकी संपत्ति छीनकर, काँग्रेस अपनी वोट बैंक में, जिन्होंने वोट जिहादकी घोषणा की है, उनको देने का उन्होंने प्लान बनाया हुआ है। काँग्रेस के नेता कहते हैं देश की संपत्ति पर पहला हक minority का है, मतलब मुसलमान का है।

28:05 अब काँग्रेस की नज़र दलितों, पिछड़ों, आदीवासी, OBC, इनके आरक्षण पर डाका डालने का इरादा है। ... वो इतने गुस्से में हैं, की आप को जो आरक्षण बाबासाहेब अम्बेडकर ने दिया है, आपको जो संविधान बाबासाहेब अम्बेडकर ने दिया है, उनकी पीठ में छूरा भोंक कर, आपको जो reservation मिला है, आरक्षण मिला है, उसमें वो लूटकर के मुसलमानों को धर्म के आधार पर, डाका डालकर उनको देना चाहते हैं।

30:16 अभी कर्नाटका में उन्होंने रातों रात एक फ़तवा निकाला। एक ऑर्डर निकाला, रातों रात। ठप्पा मार दिया। order क्या? की कर्नाटका में जितने मुसलमान हैं, जितने, कितना ही पढ़ा लिखा क्यों ना हो, कितना ही अमीर क्यों ना हो, कितने ही बड़े घराने का क्यों ना हो, बस वो मुसलमान है, तो उन्होंने फ़तवा निकाला की कर्नाटका के सारे मुसलमान OBC है। रातों रात OBC हो गए। और OBC को जो 27% आरक्षण मिलता था, रातों रात उसकी लूट उनके खाते में चली गयी। देश देखता रह गया। और ये पूरा model देश में लागू करना चाहते हैं।

33:36 काँग्रेस लिख कर के दे की वो SC ST OBC का आरक्षण काट कर धर्म के आधार पर मुस्लिमों को नहीं देंगे।

34:50 ये लोग झारखंड में घुसपैठियों को ठिकाना दे रहे हैं। ये घुसपैठी हमारे आदीवासी भाई बहनों की ज़मीन पर कब्ज़ा कर रहे हैं। संचाल परगना जैसी जगहों पर इस घुसपैठ के कारण आदीवासियों की संख्या घट रही है। हमारी बहन बेटियों की इज्जत सुरक्षित नहीं है। यही खेल इन लोगों ने बंगाल में खेला था। बंगाल के आदीवासी इलाकों में लोग घुसपैठियों को आतंक से जूझ रहे हैं। लोगों का जीवन सुरक्षित नहीं है। ऐसा ही ये हाल यहाँ झारखंड में बनाना चाहते हैं। लेकिन JMM सरकार वोट बैंक की भूख में, वोट पाने के लिए आँख मूँद कर ये पाप कर रही है।

4 मई - पलामू में भाषण

भाषण का youtube लिंक - <https://www.youtube.com/watch?v=RB4767EalUY>

6:50 आपके एक वोट से आज राम मंदिर बन गया।

27:35 मोदी आपकी जिंदगी में खुशहाली लाना चाहता है, पर काँग्रेस की नज़र आपकी जायजाद पर पड़ गयी है। काँग्रेस हो या JMM हो, उनको और कुछ नज़र ही नहीं आता है। काँग्रेस ने अभी अपना manifesto निकाला है। और बेमानी देखिए। वो कह रहे है आपका x ray करेंगे, x ray. कितनी ज़मीन है, घर कहा है, कितने कमरे है, घर में सोना है की नहीं है, चाँदी है कि नहीं है, मंगलसूत्र है कि नहीं है। जाँच कराएँगे। और फिर उसमें से कुछ हिस्सा आप से छीन लेंगे। और आपसे वो लेकर के अपनी वोट बैंक को देना चाहते है।

29:18 साथियों, काँग्रेस और INDI गठबंधन ने एक और खतरनाक बात कही है। ये लोग अब SC, ST, OBC का आरक्षण छीन लेना चाहते हैं। ... लेकिन अब ये काँग्रेस और उसके चट्टे बट्टे, ये JMM और ये RJD, ये आदीवासियों का, पिछड़ों का, दलितों का आरक्षण में डांका डाल कर, आरक्षण में से कुछ हिस्सा छीनकर के, ये धर्म के आधार पर, संविधान बदलकर के मुसलमानों को देना चाहते है।

लोकतंत्र बचाओ 2024

अबुआ झारखंड, अबुआ राज

यह अभियान राज्य के कई जन संगठनों व सामाजिक कार्यकर्ताओं का 2024 में लोकतंत्र व संविधान को बचाने का साझा प्रयास है।

4 मई – गुमला में भाषण

भाषण का youtube लिंक – <https://www.youtube.com/watch?v=QZTFdlhUzFs>

21:55 इसके इलावा एक और रास्ते पर कौंग्रेस चली, और वो रास्ता है तुश्तीकरण, appeasement, vote bank politics. कौंग्रेस जो चश्मा पहनती है, उसमें एक ही vote bank दिखता है। और वो है मुस्लिम vote bank. कौंग्रेस की इस नीती का नुकसान हर किसी ने उठाया है।

23:00 कैसे कैसे खेल खेल रहा है कौंग्रेस। INDI गठबंधन वाले खुद SC, ST, OBC को आरक्षण का जो हक मिला है ना, उसमें डाका डालने का प्लान कर रही है। उसमें से चोरी करने का खेल चल रहा है। ... कौंग्रेस आपका हक छीन कर, संविधान को तोड़ मरोड़कर मुसलमानों को आरक्षण देना चाहती है। आपका हक लूटना चाहती है।

25:30 अपना वोट बैंक बचाने के लिए कौंग्रेस आतंकवादियों पर भी कार्रवाई नहीं करती। बहुत मेहनत के बाद आतंकवादियों के स्लीपर सेल को हम तोड़ पाए। लेकिन झारखंड में जो किया जा रहा है, वो खतरनाक है। यहाँ घुपैठियों को बढ़ावा देने का, और आदीवासी परिवारों की ज़मीन हड़पने का खेल हो रहा है। संथाल में PFI जैसे प्रतिबंधित संगठन कैसे अपना रैकेट चला रहे हैं? कैसे आदीवासियों के साथ ठगी कर रहे हैं। कैसे आदीवासी बेटियों के साथ अत्याचार कर रहे हैं। ज़मीन के लिए आदीवासी बेटियों के साथ क्या क्या नहीं किया जा रहा है। आदीवासी बेटियों को विशेष तौर पर target किया जा रहा है। लोग इसके खिलाफ़ आवाज उठाते हैं, तो INDI गठबंधन वाले कहते हैं, मोदी के खिलाफ़ वोट जिहाद करो, वोट जिहाद। पहले हमने लव जिहाद सुना था, फिर हमने लैंड जिहाद सुना था। वोट जिहाद? कुछ भी कर ले, कितनी जिहाद कर ले, अब ये देश, पीछे हटने वाला नहीं है।

लोकतंत्र बचाओ 2024

अबुआ झारखंड, अबुआ राज

यह अभियान राज्य के कई जन संगठनों व सामाजिक कार्यकर्ताओं का 2024 में लोकतंत्र व संविधान को बचाने का साझा प्रयास है।

अनुलग्नक 2 - आदर्श आचार संहिता व लोक प्रतिनिधित्व कानून के धारा जिनका उल्लंघन हुआ है

The provisions of the Model Code of Conduct which have been violated are extracted hereinbelow for your reference.

“1. No party or candidate shall include in any activity which may aggravate existing differences or create mutual hatred or cause tension between different castes and communities, religious or linguistic.

3. There shall be no appeal to caste or communal feelings for securing votes. Mosques, Churches, Temples or other places of worship shall not be used as forum for election propaganda.”

The provisions of the Representation of the People Act, 1951 which have been violated are also extracted hereinbelow for your reference.

“123(3) The appeal by a candidate or his agent or by any other person with the consent of a candidate or his election agent to vote or refrain from voting for any person on the ground of his religion, race, caste, community or language or the use of, or appeal to religious symbols or the use of, or appeal to, national symbols, such as the national flag or the national emblem, for the furtherance of the prospects of the election of that candidate or for prejudicially affecting the election of any candidate:

[Provided that no symbol allotted under this Act to a candidate shall be deemed to be a religious symbol or a national symbol for the purposes of this clause.]

(3A) The promotion of, or attempt to promote, feelings of enmity or hatred between different classes of the citizens of India on grounds of religion, race, caste, community, or language, by a candidate or his agent or any other person with the consent of a candidate or his election agent for the furtherance of the prospects of the election of that candidate or for prejudicially affecting the election of any candidate.] ...

125. Promoting enmity between classes in connection with election.—Any person who in connection with an election under this Act promotes or attempts to promote on grounds of religion, race, caste, community or language, feelings of enmity or hatred, between different classes of the citizens of India shall be punishable, with imprisonment for a term which may extend to three years, or with fine, or with both.”

2023 LiveLaw (SC) 405

IN THE SUPREME COURT OF INDIA

K.M. JOSEPH; J., B.V. NAGARATHNA; J.

Writ Petition (Civil) No. 943/2021; 28-04-2023

ASHWINI KUMAR UPADHYAY versus UNION OF INDIA & ORS.

Hate Speech - Supreme Court directs all States/UTs to register *suo motu* FIRs in offences such as Section 153A, 153B, 295A and 506 of IPC etc, without any complaint being filed - Action be taken irrespective of the religion of the maker of the speech, so that the secular character of Bharat as envisaged by the Preamble is preserved.

For Petitioner(s) Mr. Ashwani Kumar Dubey, AOR Mr. Nizam Pasha, Adv. Ms. Rashmi Singh, Adv. Ms. Sumita Hazarika, AOR

For Respondent(s) Mr. Tushar Mehta, Solicitor General Mr. K M Nataraj, A.S.G. Mr. Rajat Nair, Adv. Mr. Sanjay Kumar Tyagi, Adv. Mr. Kanu Agarwal, Adv. Mr. Rajan Kumar Chourasia, Adv. Mr. Varun Chugh, Adv. Mr. Mayank Pandey, Adv. Mr. Amit Sharma, Adv. Mr. Arvind Kumar Sharma, AOR Mr. Gurmeet Singh Makker, AOR Mr. Tushar Mehta, Solicitor General Mr. K.m.nataraj, A.S.G. Mr. Shreekanth Neelappa Terdal, AOR Mr. Kanu Agrawal, Adv. Mr. Rajat Nair, Adv. Mr. Mayank Pandey, Adv. Mr. Sanjay K. tyagi, Adv. Mr. Varun Chugh, Adv. Dr. N. Visakamurthy, Adv. Mr. Abhishek Atrey, AOR Mr. Jatinder Kumar Sethi, D.A.G. Mr. Ashutosh Kumar Sharma, Adv. Ms. Ambika Atrey, Adv. Dr. Abhishek Atrey, Adv. Mr. Amit Sharma, AOR Mr. Dipesh Sinha, Adv. Ms. Pallavi Barua, Adv. Ms. Sakshi Upadhyaya, Adv. Ms. Aparna Singh, Adv. Mr. Lokesh Sinhal, Sr. A.A.G. Mr. Nikunj, Adv. Dr. Monika Gusain, AOR Mr. Sumeer Sodhi, AOR Ms. Tanya Verma, Adv. Mr. Vishal Meghwal, Adv. Ms. Yashika Bum, Adv. Mr. Milind Kumar, AOR Mr. Anirban Tripathi, Adv. Mr. Ashutosh Dubey, AOR Mr. Abhishek Chauhan, Adv. Ms. Rajshri Dubey, Adv. Mr. H.B. Dubey, Adv. Mr. Amit P. Shahi, Adv. Mr. Amit Kumar, Adv. Mr. Manish Dhingra, Adv. Mr. Gaganmeet Singh Sachdeva, Adv. Ms. Ramya Khanna, Adv. Mr. Hari Shankar Jain, Adv. Mr. Vishnu Shankar Jain, AOR Ms. Mani Munjal, Adv. Mr. Parth Yadav, Adv. Mr. Vinay Rajput, Adv. Mr. Devendra Singh, AOR Mr. Mishra Saurabh, AOR Mr. Abhishek, AOR Mr. Barun Kumar Sinha, Adv. Mrs. Pratibha Sinha, Adv. Mr. Niraj Kumar, Adv. Mr. Tushar Mehta, Solicitor General Mr. S.v. Raju, A.S.G. Mr. Siddharth Dharmadhikari, Adv. Mr. Aaditya Aniruddha Pande, AOR Mr. Bharat Bagla, Adv. Mr. Sourav Singh, Adv. Ms. Garima Prashad, Sr. A.A.G. Ms. Ruchira Goel, AOR Mr. Satwik Misra, Adv. Mr. Adit Jayeshbhai Shah, Adv. Ms. Priyanka Swami, Adv. Mr. Hari Shankar Jain, Adv. Mr. Vishnu Shankar Jain, AOR Ms. Mani Munjal, Adv. Mr. Parth Yadav, Adv. Mr. Vinay Rajput, Adv. Mr. Gurmeet Singh Makker, AOR Mr. Kaleeswaram Raj, Adv. Ms. Thulasi K Raj, Adv. Mr. Mohammed Sadique T.A., AOR Mr. Anu K. Joy, Adv. Mr. Alim Anvar, Adv. Mr. Abhishek Atrey, AOR Mr. Jatinder Kumar Sethi, D.A.G. Mr. Ashutosh Kumar Sharma, Adv. Ms. Ambika Atrey, Adv. Dr. Abhishek Atrey, Adv. Mr. Vishal Prasad, AOR Ms. Ritika Sethi, Adv. Mr. Shadan Farasat, AOR Ms. Warisha Farasat, Adv. Mr. Shourya Dasgupta, Adv. Mr. Aman Naqvi, Adv. Ms. Hrishika Jain, Adv. Ms. Natasha Maheshwari, Adv. Ms. Mreganka Kukreja, Adv. Mr. Nishe Rajen Shonker, AOR Mrs. Anu K Joy, Adv. Mr. Alim Anvar, Adv. Ms. Bansuri Swaraj, Adv. Ms. Ana Upadhyay, Adv. Mr. Chetanya Puri, Adv. Ms. Jyoti Taneja, Adv. Ms. Aastha Gupta, Adv. Mr. Himanshu Bidhuri, Adv. Ms. Seema Patnaha, Adv. Mr. Surender Kumar Gupta, AOR Ms. K. Enatoli Sema, AOR Ms. Limayinla Jamir, Adv. Mr. Amit Kumar Singh, Adv. Ms. Chubalemla Chang, Adv. Mr. Prang Newmai, Adv. Mr. Sanjay Parikh, Sr. Adv. Ms. Aparna Bhat, Adv. Ms. Srishthi Agnihotri, AOR Ms. Karishma Maria, Adv. Ms. Sanjana Grace Thomas, Adv. Mr. Upendra Pratap Singh, AOR Ms. Snehal Uday Kanzarkar, Adv. Mr. Harsh Singh Rawat, Adv. Mr. Shailja Nanda Mishra, Adv. Ms. Aastha Gupta, Adv. Mr. Dushyant Pratap Singh, Adv. Mr. Abhimanyu Tewari, AOR Ms. Eliza Barr, Adv. Mr. Sumit Teterwal, AOR Mr. Sunil Dalal, Sr. Adv. Mr. Shoumendu Mukherji, AOR Mr. Soumava Karmakar, Adv. Ms. Manisha Saroha, Adv. Mr. Nikhil Beniwal, Adv. Ms. Megha Sharma, Adv. Ms. Akanksha Gupta, Adv. Mr. Satya Ranjan Swain, Adv. Mr. Sahaj Garg, Adv. Mr. Deepanshu Badiwal, Adv. Mr. Ashish Singh, Adv. Mr. Shovan Mishra, AOR Mr. Kirti Uppal, Sr. Adv. Mr. Piyush Beriwal, AOR Mr. Aman Jha, Adv. Mr. Amit Tiwari, Adv. Mr. Rishi Tutu, Adv. Ms. Priyanka Garg, Adv. Ms. Priya Mishra, Adv. Mr. Rudra Paliwal, Adv. Mr. Sanjay Pal, Adv. Mr. Shrey Sehrawat, Adv. Mr. Kushagra Kumar Kansal, Adv. Mr. Shekhar, Adv. Mr. Abhinav Goswami, Adv. Ms. Divya Srivastava, Adv. Mr. Mehmood Umar Faruqui, AOR Mr. Aaditya Vijay Kumar, Adv. Ms. Shreya Shree Singh, Adv. Mr. Chitranshul A. Sinha, AOR Ms. Radhika Chaturvedi, Adv. Mr. Hitesh Kumar Sharma, Adv. Mr. S. K. Rajora, Adv. Mr. Akhileshwar Jha, Adv. Mr. Amit Kumar Chawla, Adv. Mr. Ravish Kumar Goyal, Adv.

ORDER

All the intervention / impleadment applications allowed.

Learned counsel for the petitioner in W.P. (C)No. 940/2022 requests that the State and the Union Territories which were not made parties may also be impleaded and similar order which has been passed on 21.10.2022 may be passed. Petitioner has also placed before us an Interlocutory Application which it would appear has not yet been numbered.

We direct that in writ petition, persons shown as Additional Respondent Nos. 9 to 36 in I.A. (unnumbered) be added as additional respondents in the writ petition.

Respondent Nos. 9 to 36 shall ensure that immediately as and when any speech or any action takes place which attracts offences such as Sections 153A, 153B and 295A and 505 of the IPC etc., suo motu action will be taken to register cases even if no complaint is forthcoming and proceed against the offenders in accordance with law.

Respondent Nos.9 to 36 will therefore issue direction(s) to their subordinates so that appropriate action in law will be taken at the earliest. We make it clear that any hesitation to act in accordance with this direction will be viewed as contempt of this Court and appropriate action will be taken against the erring officers.

We further make it clear that such action will be taken irrespective of the religion that the maker of the speech or the person who commits such act may profess, so that the secular character of India, that is, Bharat as is envisaged by the Preamble, is preserved and protected.

Issue notice to all the proposed respondent Nos. 9-36.

Petitioner will take out notice to all the additional respondents.

Mr. S. V. Raju, learned Additional Solicitor General would submit that in CONMT.PET.(C) No. 776/2023 in W.P.(C) No. 940/2022, counter affidavit has been filed in the matter but the learned counsel for the petitioner would point out that the copy of the same has not been served on the petitioner.

In fact the copy of the counter affidavit is not placed before the Court.

Copy of the counter affidavit be served on the counsel for the petitioner and the Registry to put up the same by the next date of hearing.

Place these matters for further consideration on 12th May, 2023.

© All Rights Reserved @LiveLaw Media Pvt. Ltd.

*Disclaimer: Always check with the original copy of judgment from the Court website. Access it [here](#)